महात्मा गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरसिया,
जिला–रायगढ़ (छ.ग.)
[Mahatma Gandhi Govt. P. G. College Kharsia, Dist-Raigarh (C.G)]

COURSE OUTCOMES – M A (HINDI)

सेमेस्टर – 1 हिन्दी, प्रश्नपत्र – 1 (हिन्दी साहित्य का इतिहास– आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल)

- इसके अध्ययन से छात्र हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की समस्याओं से अवगत होते हुए इसके काल विभाजन व नामकरण से भली–भांति परिचित होते हैं।
- हिन्दी साहित्य के आदि काल के विभिन्न साहित्यिक रूपों – सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, रासो काव्य, जैन साहित्य की साहित्यिक प्रवृत्तियों एवं इस काल के रचनाकार तथा उनकी रचनाओं से छात्र अवगत होते हैं।
- भक्ति काल की ऐतिहासिकता, सांस्कृतिक चेतना, भक्ति आंदोलन के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए छात्र इस काल की प्रमुख रचनाओं जैसे रामचरितमानस, पद्मावत, कबीर ग्रंथावली, सूरसागर से परिचय प्राप्त करते हैं।
- इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से छात्र रीतिकाल की ऐतिहासिकता, काल–सीमा, दरबारी संस्कृति, विभिन्न धाराओं जैसे रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त की प्रवृत्तियों की जानकारी प्राप्त करते हुए इस काल के मुख्य रचनाकारों व उनकी रचनाओं के बारे में अवगत होते हैं।

(डॉ. बी.सी. बुतलहरे)
प्राचार्य
एम.जी. शा.कला एवं विज्ञान महा. खरसिया
जिला– रायगढ़ (छ.ग.)

डॉ0 रमेश टण्डन
विभागाध्यक्ष–हिन्दी

सेमेस्टर – 1 हिन्दी, प्रश्नपत्र – 2 (प्राचीन काव्य)

- आदिकाल और मध्यकाल के बीच के कड़ी कवि के रूप में विद्यापति के द्वारा रचित काव्य में वर्णित भक्ति भावना, श्रृंगार वर्णन, प्रकृति चित्रण, सौंदर्य चित्रण, गीत पद्धति, काव्य कला, अलंकार योजना, भाषा आदि के बारे में छात्रों को ज्ञात होता है।
- निर्गुण भक्ति काव्य धारा के प्रतिनिधि संत कवि कबीर के विभिन्न पदों से छात्र अवगत होते हुए इनके धार्मिक–सामाजिक विचार, रहस्यवाद, दार्शनिकता, उलटवासिया, प्रतीक पद्धति को समझ पाने में सफल होते हैं।
- मध्यकालीन प्रेममार्गी शाखा के प्रतिनिधि कवि जायसी के ग्रंथ पद्मावत में उल्लेखित प्रेमभाव, सौन्दर्य वर्णन, विरह वर्णन, रहस्यभावना, दर्शन, प्रकृति चित्रण आदि से छात्र भली–भांति अवगत होते हैं।
- उपरोक्त के अतिरिक्त इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से छात्रों को खड़ी बोली के प्रथम कवि अमीर खुसरो, कृष्ण भक्ति धारा के कवि रसखान, वेदना की प्रतिमूर्ति व कृष्ण के भक्ति प्रेम में डुबी मीरा बाई, मीरा बाई के गुरू संत रैदास एवं रहीम जैसे प्रख्यात संत व भक्त कवियों के बारे में ज्ञान मिलता है।

(डॉ. डी.सी. बुतलहरे)
प्राचार्य
एम.जी.डी.सी. कला एवं विज्ञान महा. खरसिया
जिला– रायगढ़ (छ.ग.)

डॉ0 रमेश टण्डन
विभागाध्यक्ष–हिन्दी

सेमेस्टर – 1 हिन्दी, प्रश्नपत्र – 3 (आधुनिक गद्य साहित्य – नाटक एवं निबंध)

- जयशंकर प्रसाद एवं उनके प्रसिद्ध नाटक चन्द्रगुप्त का अध्ययन तथा मोहन राकेश एवं उनके प्रसिद्ध नाटक आषाढ़ का एक दिन का अध्ययन करते हुए उसके साहित्यिक अवदान से परिचित होना।
- इसके अतिरिक्त विभिन्न निबंधकारों यथा, आ0 महावीर प्रसाद द्विवेदी, आ0 रामचन्द्र शुक्ल, आ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, विद्यानिवास मिश्र एवं हरिशंकर परसाई के प्रतिनिधि निबंधों से परिचित होना।
- नाटककारों में भारतेंदु हरिश्चंद्र, डॉ0 रामकुमार वर्मा, लक्ष्मीनारायण लाल, धर्मवीर भारती एवं जगदीश चंद्र माथुर तथा निबंधकारों में भारतेंदु हरिश्चंद्र, प्रतापनारायण मिश्र, बाबू श्यामसुंदर दास, सरदार पूर्णसिंह एवं डॉ0 नगेन्द्र का सामान्य अध्ययन भी किया जाता है।

सेमेस्टर – 1 हिन्दी, प्रश्नपत्र – 4 (भाषा विज्ञान)

- इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से भाषा के अभिलक्षण, भाषा विज्ञान के स्वरूप एवं व्याप्ति; स्वन प्रक्रिया, स्वनगुण, वागवयव, स्वनिम के भेद; अर्थ की अवधारणा, अर्थ परिवर्तन; रूप प्रक्रिया, रूपिम के भेद, वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण आदि का वृहद् ज्ञान मिलता है।

(डॉ. डी.सी. पतलहरे)
प्राचार्य
एम.जी. शास. कला एवं विज्ञान महा. खरसिया
जिला- रायगढ़ (छ.ग.)

डॉ0 रमेश टण्डन
विभागाध्यक्ष–हिन्दी

सेमेस्टर – 2 हिन्दी, प्रश्नपत्र – 1 (हिन्दी साहित्य का इतिहास– आधुनिक काल)

- इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से आधुनिक काल की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि एवं 1856 ई. के पुनर्जागरण के बारे में जानकारी मिलती है।
- भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, नवगीत, समकालीन कविता के प्रमुख साहित्यकारों, उनकी रचनाओं तथा साहित्यिक प्रवृत्तियों का ज्ञान मिलता है।
- हिन्दी गद्य की विधाएँ – कहानी, उपन्यास, नाटक, एकांकी, निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा साहित्य, आत्मकथा, जीवनी और रिपोर्ताज का विकासात्मक अध्ययन होता है।

सेमेस्टर – 2 हिन्दी, प्रश्नपत्र – 2 (मध्यकालीन काव्य)

- भक्तिकालीन महाकवि सूरदास को जानने के साथ–साथ उनके भ्रमरगीत सार में वर्णित भाव की जानकारी मिलती है, महाकवि तुलसीदास के व्यक्तित्व के साथ–साथ रामचरितमानस के सुन्दर काण्ड का पूर्ण ज्ञान मिलता है।
- रीतिसिद्ध कवि बिहारी का समग्र अध्ययन किया जाता है। साथ ही घनानंद, केशवदास, देव, भूषण और पद्माकर का भी सामान्य अध्ययन लाभ पाठकों को मिलता है।

सेमेस्टर – 2 हिन्दी, प्रश्नपत्र – 3 (आधुनिक गद्य साहित्य– उपन्यास एवं कहानी)

- उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद के व्यक्तित्व अध्ययन के साथ–साथ उनके प्रसिद्ध उपन्यास गोदान की तात्विक समीक्षा से अवगत होना।
- फणीश्वर नाथ रेणु के व्यक्तित्व से परिचय प्राप्त करते हुए उनके प्रसिद्ध आंचलिक उपन्यास मैला आंचल का समग्र अध्ययन करना।
- आधुनिक काल के प्रमुख कहानीकारों एवं उपन्यासकारों का सामान्य अध्ययन करते हुए उनकी प्रतिनिधि रचनाओं के बारे में ज्ञान प्राप्त करना।

सेमेस्टर – 2 हिन्दी, प्रश्नपत्र – 4 (हिन्दी भाषा)

- प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक आर्यभाषाओं (संस्कृत, पाली, प्राकृत, अपभ्रंश) की विशेषताओं को अध्ययन करना।
- खड़ी बोली, ब्रज, अवधी सहित हिन्दी की उपबोलियों का उसके भौगोलिक विस्तार सहित अध्ययन करना।
- उपसर्ग, प्रत्यय, समास, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, पदक्रम, अन्विति जैसे हिन्दी के व्याकरण का अध्ययन करना।
- राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति के बारे में अवगत होना।
- हिन्दी में कम्प्यूटर सुविधा के बारे जानकारी प्राप्त करना।
- देवनागरी लिपि की विशेषता एवं मानकीकरण का ज्ञान प्राप्त करना।

सेमेस्टर – 3 हिन्दी, प्रश्नपत्र – 1 (भारतीय काव्य शास्त्र)

- काव्य के लक्षण एवं प्रकार, रस सिद्धांत, अलंकार सिद्धांत, रीति सिद्धांत, वक्रोक्ति सिद्धांत, औचित्य सिद्धांत, ध्वनि सिद्धांत एवं हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियों के बारे में जानकारी प्राप्त करना।

सेमेस्टर – 3 हिन्दी, प्रश्नपत्र – 2 (आधुनिक काव्य)

- मैथिलीशरण गुप्त के व्यक्तित्व एवं उनके काव्य साकेत का अध्ययन करना।
- जयशंकर प्रसाद के व्यक्तित्व एवं उनके काव्य कामायनी का अध्ययन करना।
- पं0 सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के व्यक्तित्व के साथ–साथ उनके प्रमुख काव्य का अध्ययन करना।
- अन्य कवियों जैसे– अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध', जगन्नाथ दास रत्नाकर, महादेवी वर्मा, हरिवंश राय बच्चन, त्रिलोचन शास्त्री का सामान्य अध्ययन करना।

(डॉ. वी.सी. घृतलहरे)
प्राचार्य
एम.जी. शास.कला एवं विज्ञान महा. खरसिया
जिला– रायगढ़ (छ.ग.)

सेमेस्टर – 3 हिन्दी, प्रश्नपत्र – 3 (प्रयोजन मूलक हिन्दी)

- सर्जनात्मक भाषा के रूप में हिन्दी की उपयोगिता से परिचित होना।
- हिन्दी में प्रारूपण, पत्र–लेखन, संक्षेपण, पल्लवन, विज्ञापन लेखन आदि सीखना।
- हिन्दी के प्रमुख पोर्टल के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए इसके तकनीकी पक्ष को जानना।
- अनुवाद की प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्राप्त होना।
- जनसंचार माध्यम के स्वरूपों यथा मुद्रण, फिल्म, टेलीविजन आदि से परिचित होना।

सेमेस्टर – 3 हिन्दी, प्रश्नपत्र – 4 (भारतीय साहित्य)

- भारतीय साहित्य के स्वरूप से परिचित होना।
- बंगला, उड़िया और हिन्दी भाषा के साहित्य के इतिहास का तुलनात्मक अध्ययन करना।
- गिरीश कर्नाड के नाटक हयवदन का अध्ययनलाभ प्राप्त करना।

सेमेस्टर – 4 हिन्दी, प्रश्नपत्र – 1 (पाश्चात्य काव्य शास्त्र)

- प्लेटो, अरस्तू, लोंजाइनस, वड्सवर्थ, कालरिज, मैथ्यू आर्नाल्ड, टी. एस. इलियट, आई. ए. रिचर्ड्स के काव्य सिद्धांतों के परिचित होना।
- अभिजात्यवाद, स्वच्छन्दतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद एवं अस्तित्ववाद से अवगत होना।

(डॉ. पी.सी. घृतलहरे)
प्राचार्य
एम.जी. शासकीय कला एवं विज्ञान महा. खरसिया
जिला– रायगढ़ (छ.ग.)

डॉ0 रमेश टण्डन
विभागाध्यक्ष–हिन्दी

सेमेस्टर – 4 हिन्दी, प्रश्नपत्र – 2 (छायावादोत्तर काव्य)

- सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', गजानन माधव मुक्तिबोध, नागार्जुन के व्यक्तित्व के साथ–साथ उनकी प्रतिनिधि कविताओं का अध्ययन करना।
- श्रीकांत वर्मा, दुष्यंत कुमार, धूमिल, रघुवीर सहाय, धर्मवीर भारती का सामान्य अध्ययन करना।

सेमेस्टर – 4 हिन्दी, प्रश्नपत्र – 3 (पत्रकारिता)

- पत्रकारिता के उदय एवं भारत में इसके स्वरूप से परिचित होना।
- सम्पादन कला, समाचार के स्रोत और संवाददाता के बारे में जानना।
- इलेक्ट्रानिक मीडिया और प्रिंट मीडिया की पत्रकारिता से अवगत होना।
- लोक सम्पर्क और विज्ञापन की जानकारी होना।
- प्रेस संबंधी कानून की जानकारी प्राप्त होना।

सेमेस्टर – 4 हिन्दी, प्रश्नपत्र – 4 (लोक साहित्य एवं छत्तीसगढ़ी साहित्य)

- लोक साहित्य, लोक वार्ता, लोक विज्ञान, लोक संस्कृति की अवधारणा को समझना।
- लोक गीत, लोक नाट्य, लोक कथा, लोक गाथा, लोक नृत्य, लोक संगीत के बारे में जानकारी प्राप्त करना।
- छत्तीसगढ़ी साहित्य की विभिन्न विधाएँ – उपन्यास, नाटक, एकांकी, निबंध, कहानी, महाकाव्य के उद्भव, इतिहास व विकास के बारे में जानकारी प्राप्त करना।
- सुन्दरलाल शर्मा कृत प्रबंध काव्य दानलीला का अध्ययन करना।

(डॉ. डी.सी. धृतलहरे)
प्राचार्य
एम.जी. शास. कला एवं विज्ञान महा. खरसिया
जिला– रायगढ़ (छ.ग.)

डॉ0 रमेश टण्डन
विभागाध्यक्ष–हिन्दी